पेसा कानून के तहत गाँव विकास नियोजन

विलेज प्रोफाइल

नयागाँव निचला

गाँव - नयागाँव निचला

पंचायत - दोवडा

तहसील - दोवडा, जिला - डूंगरपुर, राजस्थान

पीस

गाँव का इतिहास

नयागाँव निचला के लोगो के अनुसार यहाँ कुछ लोग पालमांडव गाँव से आकर एक नया गाँव बसाकर रहने लगे जिस वजह से गाँव का नाम नयागाँव पड़ा। यह गाँव लगभग 300 वर्ष पुराना है । पहले यह गाँव दामडी पंचायत में आता था लेकिन फिर बाद में नयागाँव के एक हिस्से को अलग करके दोवडा पंचायत में शामिल कर दिया गया । जिसे अब नयागाँव निचला के नाम से जानते है ।

नयागाँव निचला गाँव का परिचय

नयागाँव निचला दोवडा ग्राम पंचायत का राजस्व गाँव है। जो कि जिला कार्यालय डूंगरपुर से 19 किलोमीटर दूर बसा हुआ है। दोवडा पंचायत में चार गाँव है - नयागाँव निचला, डाबेला, दोवडा और चितरेटी। नयागाँव निचला से सटे हुए चार गाँव है - दोवडा, चितरेटी, भाटडा, डाबेला । नयागाँव निचला एक राजस्व गाँव है ।

नयागाँव निचला गाँव में शिलालेख 4 फरवरी 2018 को हुआ और गाँव सभा का गठन भी उसी दिन कर दिया गया । नयागाँव निचला गाँव में 218 घर है जिनकी आबादी लगभग 1200 लोग है । गाँव में केवल एस. टी. जाति के लोग निवास करते है । एस.टी. जाति में परमार, ननोमा, कटारा, अहारी उपजाति के लोग है । गाँव में अधिकतर लोगों को पेसा कानून की जानकारी है । हर माह एक निश्चित तारीख को गाँव सभा की बैठक की जाती है । जिसमे गाँव की समस्याओं तथा आपसी मुद्दों को सुलझाया जाता है । पंचायत स्तर की बैठक भी की जाती है । जिसमे चारों गाँव के गाँव सभा के लोग शामिल होते है ।

गाँव की पूरी जमीन के रकबे में कृषि योग्य जमीन 300 बीघा है तथा बेनामी जमीन 3 बीघा है तथा चरागाह की जमीन 120 बीघा है । गाँव में जंगल नहीं है क्योंकि कुछ साल पहले पंचायत नई बनने के कारण नयागाँव निचला की जंगल की जमीन दूसरे पंचायत में चली गयी है । संसाधनों के नाम पर गाँव में 5 मंदिर, 2 नाला, 2 तलावडी, 1 एनिकट, 1 श्मशान घाट, 1 चौराहा, 12 बिजली की टावर, 1 शिलालेख, 2 सामुदायिक भवन, 1 हवाई पट्टी, 2 प्राथमिक विद्यालय, 1 आंगनवाड़ी, 1 राशन की दुकान है ।

नयागाँव निचला में एक हवाई पट्टी है, जिसमे गाँव की अधिकतर जमीन चली गयी है ।

गाँव की सीमा से मुख्य रोड आसपुर के लिए निकलती है यही पर गाँव का बस स्टैंड है जो की डाबेला और नयागाँव निचला का शामिल बस स्टैंड है ।

यातायात की सुविधा एवं स्थिति

गाँव की सीमा पर मुख्य सड़क पक्की सड़क है जो डूंगरपुर तथा आसपुर ब्लॉक के लिए जाती है और गाँव के भीतर ले जाने वाली मेन रोड पक्की है । लेकिन गाँव के भीतर फलों में जाने के लिए सीसी सड़क और 10 कच्ची सड़क है। गाँव के मुख्य सड़क से सरकारी और प्राइवेट बस, ऑटो, जीप तथा निजी वाहन दूसरे गाँव में जाने के लिए मिल जाते है, लेकिन गाँव के फलों में केवल नीजी वाहन जैसे ऑटो,

मोटर साइकिल या पैदल जाया जाता है। खरीदारी के लिए बड़ा बाजार दोवडा में है और मुख्य बाजार डूंगरपुर 19 किमी दूर आना पड़ता है, जहां पर सभी प्रकार की घरेलू खरीदारी के अलावा शादी-ब्याह और त्यौहारों की खरीदारी की जाती है। डूंगरपुर आने के के लिए मुख्य बस स्टेण्ड से बस या जीप मिल जाती है।

पेयजल की सुविधा

गाँव में 65 कुएं और 48 हैंडपंप है जिसमे से 50 कुएं और 15 हैंडपंप गर्मी में सूख जाते है । पानी में फ्लोराइड की मात्रा ज्यादा है जिस कारण बीमारियाँ हो जाती है लेकिन जानकारी के अभाव में इसी को उपयोग में लेते है । बोरवेल भी हर चोथे घर में है जिस कारण भूमिगत जल स्तर नीचे चला गया है । वर्तमान में पानी का स्तर 250 फीट से नीचे चला गया है जो की भविष्य में पानी को सहेजने के प्रति जागरूक न होने पर और भी गहरे में जाएगा ।

कृषि और रोजगार की स्थिति

गाँव में कृषि योग्य जमीन 300 बीघा है, जिस पर मक्का, उडद, धान, तुहर, डागर, सरसों, मूंग और चना की खेती की जाती है। लेकिन पानी की कमी के चलते यह केवल चार या पांच माह खाने तक का ही हो पाता है। कृषि जमीन भी समतल नहीं होने से उपज लेने में समस्या आती है । रोजगार के नाम पर मनरेगा में मजदूरी और दिहाड़ी मजदूरी करते है । इसके अलावा युवा लोग डूंगरपुर शहर में आते है और गुजरात में अहमदाबाद, मोडासा, हिम्मतनगर जाते है, जहां वे कपास के खेतों या आइसक्रीम फेक्ट्री में या कपड़ो की मीलों में काम करते है। अधिकतर लोग गुजरात की नमकीन बनाने की फेक्ट्री में काम करते है । नयागाँव निचला गाँव से 10 लोग अलग अलग सरकारी विभागों में कर्मचारी है ।

सिंचाई एवं पशुपालन

सिंचाई के लिए गाँव में 2 नाला, 2 तलावडी, 1 एनिकट, 50 कुआँ और बोरवेल है लेकिन मध्य ग्रीष्म ऋतू में सभी जल स्रोतों में पानी का जल स्तर नीचे चला जाता है और इनमे पानी की कमी हो जाती है । 1 एनिकट है जिनकी स्थिति काफी जर्जर है जिस कारण वर्षा ऋतू समाप्त होते ही पानी बह कर निकल जाता है । चारागाह जमीन 120 बीघा है लेकिन उस पर लोगों ने कब्ज़ा कर लिया है, बची हुई चारागाह की जमीन पर जो चारा उगता है वो पशुपालन के लिए पर्याप्त नहीं है जिस कारण चारा गुजरात या पास के जिलों से खरीद कर लाना पड़ता है। चारे की एक पुली (गट्टर) 5 से 7 रुपये में पड़ जाता है। पूरा ट्रक भूसा या चारा 15000 - 20000 रुपये तक पड़ जाता है जो की तीन - चार परिवार के लोग मिलकर खरीदते है ।

शिक्षा व स्वास्थय

गाँव में 2 प्राथमिक विद्यालय है। प्राथमिक स्कूल जर्जर अवस्था में है, स्कूल की छत और फर्श की मरम्मत की आवश्यकता है क्योंकि बारिश में पानी टपकता है और फर्श में गड्डे पड़ गये है । ना तो

बैठक व्यवस्था सही है ना ही खेल का मैदान तथा शौचालय की हालत भी अच्छी नहीं है । स्कूल में 78 छात्र छात्राये है और अध्यापक सिर्फ 2 ही है जिस कारण पढाई अच्छे से नहीं होती है । पढाई अच्छी ना होने के कारण गाँव के गाँव के बच्चे पास के दूसरे गाँवों में जाते है, उच्च शिक्षा के लिये दोवडा सीनियर सेकेंडरी स्कूल में जाते है या डूंगरपुर शहर में आना पड़ता है, अधिकतर बच्चे रोजाना आते-जाते है ।
गाँव में कोई उपस्वास्थ्य केन्द्र नहीं है यह पडोसी गाँव दोवडा में 5 किमी दूर है वहाँ दवाइयाँ मिल जाती है । सरकारी हॉस्पीटल गाँव से 6 किमी दूर दामडी में है, जिसके लिये टेम्पो या 108 की सुविधा है। बडा हॉस्पीटल 19 किमी दूर डूंगरपुर में है। पालतू जानवरों के इलाज के लिए पशु अस्पताल दोवडा में है।

सरकारी योजनाएँ

गाँव के 198 घरों में बिजली है। गाँव में 100 इंदिरा आवास योजना के लाभार्थी है तथा गाँव में 65 पेंशनधारी है, जिनमें 30 महिलाओं को तथा 25 पुरूषों को वृद्धापेंशन और 10 महिलाओं को विधवा पेंशन मिलती है। गाँव में आधे से ज्यादा परिवारों को उज्जवला गैस कनेक्शन मिल चुका है। जिन लोगों गैस कनेक्शन मिला है उन्हें मिट्टी का तेल नहीं मिलता है, जिससे लोगों को रात अन्धेरे में गुजारनी पड़ती है । गाँव में लोगों का श्रमिक कार्ड नहीं बना है। गाँव में ही राशन की दुकान है ।

नयागाँव निचला की चिन्हित समस्याओं का विवरण निम्न् प्रकार है-

प्राकृतिक संसाधनों का विघटन

गाँव में जंगल नहीं है क्योंकि नयागाँव निचला की पंचायत पहले दामडी थी लेकिन जब इसे दोवडा पंचायत में शामिल किया गया तो जंगल और चारागाह की जमीन पूर्व पंचायत में ही रही और जो चारागाह की जमीन बच गयी है, वहां पर लोगों ने अपने खेत बना लिये है या कब्ज़ा कर लिया है । केवल 40 प्रतिशत भूमि ही सिंचित बची है जिस पर खेती होती है ।

भूमि व जल प्रबंधन की कमी

गाँव में अधिकतर लोगों के पास खातेदारी हक नहीं है और यदि है भी तो न्यूनतम कृषि भूमि दो बीघा और अधिकतम पांच बीघा का पट्टा है। कृषि भूमि के उबड़ खाबड़ होने के कारण समतलीकरण की आवश्यकता है । गाँव में पानी की सुविधा के लिए 2 नाले और 2 छोटी तलावडी है लेकिन गहराई कम होने और रिसाव के कारण सालभर पानी नहीं रहता है। असिंचित खेतों में सिंचाई की कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण उनमें केवल बारिश की पानी से ही फसल की पैदावार हो पाती है। बारिश के पानी को रोकने के लिये 1 एनीकट है, ये भी जर्जर अवस्था में है, बारिश में पानी दरारों के भीतर से बह कर निकल जाता है जिससे गर्मीयों के मौसम में पानी की कमी हो जाती है । गाँव में पानी का स्तर 250 फुट से नीचे है। गाँव में 65 कुएं है,जिनमें से 50 तो सूखे ही रहते है और साल के मई, जून माह तक पानी खत्म हो जाता है। पेयजल की व्यवस्था के लिए गाँव में 48 हैण्डपम्प है आधे से अधिक हैंडपंप गर्मी के मौसम में सूख जाते है। सभी हैण्डपम्प और बोरवेल का पानी फ्लोराइड से दूषित है। वर्षा के

जल को संरक्षित करने के विषय की ओर हाल फिलहाल गाँव के लोगों ने कोई ध्यान नहीं दिया है। गर्मी में ना तो पीने को पानी मिल पाता है ना ही सिंचाई का पानी मिल पाता है।

पशुपालन संबंधित समस्या

नयागाँव निचला में प्रमुखतया गाय, बैल, भैंस व बकरी पाली जाती है। दुधारू पशुओं से इतना ही दूध हो पाता है कि घर के छोटे बच्चों का काम चल जाये, आवश्यकता पड़ने पर गाँव में किसी दुकान से खरीदते है । क्योंकी पशुओं को खिलने के लिए चारा पर्याप्त मात्रा में नहीं होता है । गाँव में चरागाह की जमीन 120 बीघा है किन्तु यह गाँव वालों के कब्जे में है । खेती की जमीन 300 बीघा है। खेती में सिंचाई के पानी की कमी के कारण खेतों में पशुओं के प्र्याप्त मात्रा में चारा भी नहीं उगाया जाता है। जो भी चारा बारिश के माह में होता है वह केवल चार या पांच माह ही चल पाता है उसके पश्चात खरीद कर लाना पडता है। चारे की एक पुली या गटठर सात रूपये में खरीदते है या फिर 4-5 परिवार वाले मिल कर 15000 से 17000 रूपये में भूसे का ट्रक खरीदते है।

कृषि एवं खाद्यान्न की समस्या

नयागाँव निचला गाँव में सिंचाई के लिए पानी की आपूर्ति बारिश के मौसम में ही हो पाती है इस कारण मुख्य फसल बारिश में उगा ली जाती है । गर्मी के मौसम में पानी की कमी हो जाती है। सिंचाई के जो भी संसाधन है वे सारे जर्जर और बेकार स्थिति में है । ग्रीष्म ऋतू में जिन खेतों में फसल उग रही है वे कुआं व बोरवेल के पानी से सिंचित है। गाँव में भू-जल स्तर 250 फुट से भी नीचे चला गया है। विचारणीय मुद्दा यह है कि यदि वर्तमान में जमीन में पानी इतना गहराई में चला गया है और जल संसाधन भी बेकार है तो आने 3 - 4 सालों में हालत और भी गंभीर हो सकते है । कुछ सालों बाद गाँव में पानी का स्तर और भी अधिक गहराई तक चला जाएगा। इसके साथ ही वर्तमान में जो स्थिति बारिश की मात्रा और पानी को ना सहेजने की प्रवृति है वो बनी रही तो गाँव में पीने तथा कृषि के लिए पानी का बड़ा संकट उत्पन्न होने वाला है । वर्तमान में गाँव में 48 हैंडपंप है और आधे से ज्यादा गर्मी में सूख जाते है । गाँव में सिंचाई के पानी की व्यवस्था के लिये करीब 65 कुऐं और 2 नाले है। लेकिन अधिकतर गर्मी के मौसम में सूख जाते है। गाँव में खाने में मुख्यतः मक्का उपयोग में आता है इसके अलावा गेहूँ, ग्वार, उडद, तुअर, चने की खेती की जाती है, यह खेती भी वही लोग कर पाते है जिनके बोरवेल या कुओं में पानी की आवक रहती है । खेती में उपजा अनाज केवल 4 या 5 माह ही चल पाता है, इसके पश्चात खाने के लिए राशन की आपूर्ति का विकल्प सरकारी गेहूँ है या अनाज खरीद कर लाना पड़ता है। सरकारी उचित मूल्य की दुकान नयागाँव निचला में ही है। राशन की दुकान पर गेहूं मिलता है, चीनी तथा केरोसीन त्यौहारों पर ही मिलता है। राशन दुकान पर पॉस मशीन की भी समस्या रहती है, तथा गाँव में ऐसे परिवार भी है जिनके राशन कार्ड बी.पी.एल. की खाद्य सुरक्षा योजना से नहीं जुड़े है ।

आवागमन की समस्या

गाँव की सीमा पर मुख्य सड़क पक्की सड़क है और गाँव की अन्दर जाने वाली सड़क भी पक्की है लेकिन गाँव के भीतरी फलों में जाने के लिए अधिकतर कच्ची सड़क ही है। गाँव में केवल 1 सड़क पक्की है जो अभी नयी बनी है । जिस पर ऑटो, मोटर साईकिल या पैदल ही जा सकते है। किन्तु कच्ची सड़को और पगडण्डियों पर धूल उड़ने की समस्या आम है साथ ही बारिश में कच्ची सड़के कीचड़ से भर जाती है जिस कारण आने जाने में समस्या रहती है । अधिकतर घर मुख्य पक्की सड़क के पास ही बने है । लेकिन गाँव के भीतर रहने वाले 70 - 80 घर के लोग कच्ची सड़क की समस्या से सबसे अधिक प्रभावित रहते है, खड्डों की वजह से अक्सर दुर्घटना की आशंका रहती है। गाँव के फलों में केवल नीजी वाहन जैसे मोटर साइकिल या पैदल जाया जाता है।

शिक्षा एवं स्वास्थ्य का निम्न स्तर

नयागाँव निचला में 218 घर है, लेकिन पढने वाले बच्चों के लिए केवल 2 प्राइमरी विद्यालय है, वे भी इतनी जर्जर अवस्था में है कि छात्र-छात्राओं को पडोसी गाँव दोवडा या डाबेला में शिक्षा के लिए जाते है । दोनों प्राथमिक स्कूलों में छत की मरम्मत की आवश्यकता है क्योंकि बारिश में पानी टपकता है और प्लास्टर भी गिरता है । स्कूल में पढ़ाने के लिए विषयाध्यापक भी पूरे नहीं है, पीने के पानी की उचित व्यवस्था नहीं है, खेल का मैदान तथा शौचालय की हालत जर्जर है जिस कारण बच्चे दूसरे गाँव के स्कूल में जाते है । उच्च शिक्षा के लिये डूंगरपुर शहर में आना पड़ता है, अधिकतर बच्चे रोजाना आते-जाते है । गाँव की 1 आंगनवाड़ी की छत खराब हो चुकी है जिससे बारिश का पानी अन्दर टपकता है इसलिए उसमें लोग अपने बच्चों को कम भेजते है । गाँव में उपस्वास्थ्य केन्द्र दोवडा 3 किमी और सरकारी हॉस्पिटल दामडी गाँव में 5 किमी दूर है, बडा हॉस्पीटल गाँव से 19 किमी दूर डूंगरपुर शहर में है जिसके लिये ऑटो या 108 की सुविधा है।

आजिविका एवं रोजगार के साधनों की कमी

रोजगार की स्थिति भी काफी खराब है, गाँव में लोग अपनी आजीविका चलाने के लिए खेती करते है या फिर नरेगा में मिलने वाले काम करते है । गाँव के युवा जो थोडा बहुत पढ़ना लिखना जानते है वे उदयपुर जिले में किसी फैक्ट्री में मशीन पर काम करते है या गुजरात राज्य के अहमदाबाद, हिम्मतनगर, सूरत, मोडासा या महानगर बम्बई में मजदूरी करने के लिये जाते है। जहाँ उनको ज्यादातर नमकीन की फैक्ट्री में काम मिल जाता है। गाँव में नरेगा पर काम मिलता है। जिसमें गाँव की 80 प्रतिशत महिलायें जाती है तथा जो पुरुष यहां रह कर खेती करते है वे भी नरेगा में काम पर जाते है। वर्तमान में मनरेगा में जो मजदूरी दी जा रही है वह भी 100 रूपये तक ही दी जाती है। कुछेक लोगों को काम करने के बाद मस्टरोल के रूपये नहीं मिले है। जिसके लिये जवाब मांगने पर बैंक खातों के स्थानान्तरण की बात कह कर टाल दिया जाता है।

सरकारी योजनओं से वंचित लोग

नयागाँव निचला में सिर्फ 100 घरों को ही इंद्रा आवास योजना से जोड़ा गया है, इसके अलावा किसी को भी पी.एम. / सी.एम. आवास योजना का लाभ नहीं मिला है । वर्तमान में करीब 30 घरों को गाँव सभा द्वारा सूचीबद्ध किया गया है जिन्हें आवास की बहुत जरुरत है । कई गाँव वाले गरीबी रेखा से नीचे भी है जिन्हें खाने के लिए अनाज नहीं मिलता है और वे मिर्ची - लहुसन की चटनी से पेट भरते है । गाँव में किसी का भी श्रमिक कार्ड नहीं बना है। गाँव में कुछ परिवार भी उज्ज्वला गैस योजना से वंचित है ।

अन्य

गाँव में 2 सामुदायिक भवन है दोनों ही ख़राब हालत में है क्योंकि इनमे बारिश के मौसम में पानी टपकता है । 1 श्मशान घाट है लेकिन यह खुले में है उस पर टीन या छाया की व्यवस्था नहीं है न ही कोई बैठक व्यवस्था है । बस स्टैंड पर शौचालय नहीं है । गाँव में उप-स्वास्थ्य केंद्र नहीं है । गाँव में आर.प्लांट की सुविधा नहीं है जिस कारण निवासी फ्लोराइड युक्त पानी पीने के लिए मजबूर है ।

गाँव में उपलब्ध संसाधन, उनकी हालत और संभावनाएं-

संसाधन	हालत	सम्भावना
जल नाला एनिकट तलावडी कुआं हैण्डपम्प बोरवेल	गाँव में कोई नदी नहीं है । गाँव में 2 नाले है। जो सिर्फ 4 माह चालू रहते है । 2 एनीकट बने हुए है जो जर्जर स्थिति में है और उनमे भी पानी बारिश के समय ही रहता है, क्योंकि दरारों में से पानी बह कर निकल जाता है । गाँव में 65 कुएं और 48 हैंडपंप है लेकिन 50 से ज्यादा कुएं सूखे है और 15 हैंडपंप में पानी नहीं आता है, जो चालू है उनका पानी भी फ्लोराइड युक्त है। गाँव में सिंचाई और मवेशीयों के पानी के लिये 1 तलावडी है लेकिन गर्मी से पहले ही सभी में पानी सूख जाता है। ऐसी स्थिति में मवेशीयों के पीने के पानी की समस्या हो जाती है। गर्मी में बोरेवेल में भी पानी कम हो जाता है।	गाँव वासियों के अनुसार यदि नाले की रिन्गवाल बनानी चाहिए । नाले को पक्का बनाने से बारिश में मिटटी का कटाव भी नहीं होगा । दोनों एनिकट को फिर से ठीक करवा कर गहरा करना चाहिए ताकि पानी ज्यादा इक्कटठा हो पाए । इससे खेतों में पानी की सुविधा अच्छी हो सकती है । नाले के रास्ते पर छोटे छोटे चेकडेम बनाये जाए तो गाँव में जमीनी पानी का तो जलस्तर ऊंचा होगा ही एनिकट और तलावडी में भी पानी अधिक समय तक रुक जाएगा और गाँव में गर्मियों में पानी के संकट को दूर किया जा सकता है। तलावडी को गहरा करवाना और रिन्ग्वाल तैयार करवाना ।
जमीन कृषि भूमि	गाँव की 40 प्रतिशत भूमि कृषि योग्य है । खेती की जमीन उबड़-खाबड़ है, जैसे	गाँवसभा के द्वारा प्रस्ताव लेकर अपना खेत अपना काम योजना के तहत उबड़-

बिला नाम भूमि चरागाह	छोटी पहाड़िया, पथरीली जमीन है। पानी की कमी के कारण खेती की सम्भावना केवल बारिश के मौसम में होती है । गाँव की बिलानाम जमीन और चारागाह भूमि पर गाँव वालों ने कब्ज़ा कर रखा है । 15 से 20 प्रतिशत जमीन पर घर बने हुए है । लेकिन आवासीय जमीन के पट्टे नहीं मिले है । गाँव में चारागाह भी है जिस पर केवल बरसात में होने वाली घास होती है जिसे चारे के रूप में लोग काट कर लाते हैं। समतल भूमि ही सिंचित है बाकी जमीनें असिंचित है।	खाबड़ जमीनों को समतलीकरण करके उसे उपजाऊ बनाया जा सकता है। जिस जमीन पर किसी प्रकार की उपज या पैदावार नहीं होती है उस पर फलदार वृक्षारोपण करके गाँव को कमाई का स्रोत मिल सकता है । जिससे लोगों की आय के साधन बढ़ सकते हैं।
सड़क पक्की सड़क सी.सी. सड़क कच्ची सड़क	गाँव में 1 मुख्य पक्की सड़क है जो अभी नयी बनी है लेकिन कही कही पर थोड़ी टूट भी गयी है । इसके अलावा 3 सी.सी. सड़क है। एक सी.सी. सड़क में गड्डे पड़ गये है जिसके कारण हादसों की सम्भावना बनी रहती है। गाँव में जाने के लिए 10 कच्चे रास्ते भी है जो की काफी ज्यादा ख़राब हालत में है ।	गाँव की पक्की सड़क को सही किया जाये । यदि गाँव के सभी कच्चे रास्ते सी.सी. सड़क में बदले जाये और सी.सी. सड़को को चौड़ा करके पुनः बनाया जाये तो गाँव के भीतरी इलाके में आवागमन में सुविधा होगी।
प्राथमिक स्कूल	गाँव में 2 प्राथमिक स्कूल है। दोनों ही प्राथमिक स्कूलों की छत से बारिश में पानी टपकता है और फर्श में गड्डे पड़ गये जिस कारण बच्चों को बैठने में दिक्कत होती है । स्कूलों में खेल का मैदान और शौचालय की स्थिति सही नहीं है । पीने के पानी की उचित एवं साफ़ व्यवस्था भी नहीं है । अध्यापकों की कमी के कारण बच्चों की पढ़ाई नहीं हो पा रही है ।	प्राथमिक स्कूल में छत के ऊपर चाइना मोजिक करवाकर और प्लास्टर करवा कर अच्छा बनाया जा सकता है। फर्श के गड्डों को भरवा कर बैठने के लिए दरी दी जाये । इसके अलावा स्कूल के शौचालय की भी मरम्मत करवाई जा सकती है। खेल के मैदान की बाउन्ड्री बना कर सुरक्षित किया जा सकता है । पीने के पानी के लिए आर.ओ. का प्रबन्ध किया जाये । अध्यापकों को नियुक्त किया जाये ।
सामुदायिक भवन	गाँव में 2 सामुदायिक भवन है लेकिन इनमे बारिश के मौसम में पानी टपकता है ।	छत पर चाइना मोजिक और मरम्मत करवानी है ।
चौराहा	गाँव में 1 चौराहा है जो टूटा है।	इसकी मरम्मत करवा कर अच्छा करना है

बस स्टैंड	गाँव के बस स्टैंड पर शौचालय नहीं है ।	शौचालय निर्माण करवाना है।
शमशान घाट	गाँव का शमशान घाट खुले में है और पूरी तरह से टूट चुका है, ना तो वहां पर टीनशेड है ना ही चबूतरा है।	नए सिरे से निर्माण करवाना है और लकड़ी रखने के लिए भवन बनवाना है ।

गाँव सभा द्वारा चिन्हित मुख्य समस्याएं, उनके कारण, प्रस्तावित समाधान एवं वरीयता

क्र. सं.	समस्याएं	सार्वजनिक/ व्यक्तिगत	कारण	समाधान	तात्कालिक/ दीर्घकालिक
1	**कृषि संबधी समस्या**	**व्यक्तिगत / सार्वजनिक**	गाँव की कृषि योग्य उपलब्ध भूमि उबड़ खाबड़ है। सिंचाई की सुविधा भी नहीं है। सिंचाई के लिए 1 नाला है और बरसात का पानी गाँव में रोकने के लिए 1 एनिकट और 1 तलावडी है लेकिन बोरवेल की संख्या अधिक होने के कारण पानी जल्दी ख़त्म हो जाता है । क्योंकि पानी का स्तर 250 फीट नीचे चला गया है । उन्नतशील बीज का अभाव होने से उत्पादन प्रभावित होता है ।	खेतों को गाँव सभा द्वारा प्रस्ताव लेकर अपना खेत-अपना काम योजना के अंतर्गत समतलीकरण, बारिश के पानी को रोकने के लिए खेतों की मेड़ बंदी तथा कच्चे चेक डैम का निर्माण। गाँव के नाले में पानी रोकने की योजना। घर और खेतों में पानी को रोकने के लिए टाके (पक्के खड्डे) बनवाना । गाँव में बरसात के पानी को ज्यादा से ज्यादा रोक कर, कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊंचा किया जा सकता है। बंद हैंडपंप को चालू करवाना और गाँव में आर.ओ. प्लांट लगवाना ताकि फ्लोराइड मुक्त पेयजल मिल पाए । ज्यादा से ज्यादा कुओं का उपयोग किया जावे ताकि भू-जल स्तर एकदम से नीचे न जाये और सभी को सिंचाई का पानी मिल पाए ।	**तात्कालिक**

2	**शिक्षा सम्बंधित समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में 2 प्राथमिक स्कूल है, स्कूल की छत से बारिश में पानी टपकता है और छत से प्लास्टर भी गिर रहा है। और अध्यापक भी कम है, जो अध्यापक अभी वर्तमान में कार्यरत है वे भी समय पर नहीं आते है । प्राथमिक स्कूल में खेल का मैदान और शौचालय की स्थिति सही नहीं है । पीने के पानी के लिए टंकी और शुद्ध जल की उचित व्यवस्था नही है ।	गाँव में एक और माध्यमिक स्कूल व्यवस्था की जाये और सभी व्यवस्थाये पूरी और अच्छी दी जाये । नए अध्यापको की नियुक्ति की जाये और अध्यापको को समय पर आने के लिए पाबंद किया जाना चाहिये ।	**तात्कालिक**
3	**पेयजल की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में 65 कुएं और 48 हैंडपंप है लेकिन आधे से ज्यादा सूखे है या पानी नहीं आता है, जो चालू है उनका पानी भी फ्लोराइड युक्त है। गाँव का जलस्तर 250 फिट से नीचे चला गया है। गर्मी के टाइम लोग बोरवेल से पानी सिंचाई के लिए अधिक निकाल लेते है जिस कारण पानी की कमी हो जाती है ।	जिन कुओं में पानी खत्म हो गया है उन्हें गहरा करवाना । जो हैंडपंप बंद हो गये है जिनमे पानी कम आने लगा है उन्हें गहरा करवाना और शुद्ध पानी की आपूर्ति के लिए गाँव में आर.ओ. प्लांट लगवाना ताकि फ्लोराइड मुक्त पेयजल मिल पाए । गाँव के टूटे हुए एनिकट की मरम्मत करवाना और कच्चे-पक्के चेकडैम निर्माण करना । जिससे गाँव में बरसात के पानी को ज्यादा से ज्यादा रोक कर, कुएं रिचार्ज करके जल स्तर ऊंचा किया जा सकता है। इसके लिए गाँव सभा द्वारा	**दीर्घकालिक**

				बैठक में प्रस्ताव भी लिया गया है ।	
4	**रास्ते की समस्या**	**सार्वजनिक**	गाँव में पक्की और सी.सी. सड़को की हालत तेज बारिश होने के कारण काफी ख़राब हो गयी है जिसके कारण हादसों की संभावना बनी रहती है । सबसे ज्यादा समस्या उन घरों की है जो गाँव के अंदरूनी हिस्से में रहते है जहाँ सड़के कच्ची है और मिटटी बारिश में कीचड़ में बदल जाती है ।	गाँवसभा कमेटी के गठन के बाद जहां जहां रास्ते नहीं है वहां के प्रस्ताव लिए गए हैं और टूटी हुई पक्की एवं सी.सी. सड़क मरम्मत करना और कच्ची सड़क को सी.सी. सड़क में बदलना । सड़क किनारे नालियों की व्यवस्था और रोड लाइट की व्यवस्था करना ।	**तात्कालिक**
5	**सरकारी योजनाओं की सहीं क्रियान्विति ना होना - आवास निर्माण, पेंशन और उसके भुगतान संबधी समस्या**	**व्यक्तिगत**	गाँव में आवास योजना में अभी भी कई लोगो को मकान नहीं बना है उनका नाम लाभान्वितों सूची में नहीं है और जिन लोगों के आवास बन भी गए हैं उनमें से ज्यादातर लोगों को दूसरी या तीसरी क़िस्त का भुगतान नहीं हुआ है। जो सक्षम लोग हैं उनके आवास बन गए हैं । पेंशन में समस्या यह है कि गाँव में सरकारी कागजातों में उम्र अलग-अलग होने से भी लोगों की पेंशन भी बंद है।	गाँव के सबसे जरूरतमंद लोगों को आवास निर्माण हेतु आवेदन कराना और उसके लिए प्रयास करना। बकाया राशि का भुगतान तुरंत करना। जिन लोगों को पेंशन नहीं मिल रही है उनको पेंशन योजना से जोड़ना। बंद पेंशन का भुगतान तुरंत शुरू करवाना।	**तात्कालिक**
6	**खाद्य सुरक्षा का पूरा लाभ नहीं मिलना**	**सार्वजनिक**	राशन की दुकान गाँव में है । अक्सर पॉस मशीन में फिंगरप्रिंट न मिलना या इन्टरनेट से कनेक्ट न	राशन डीलर को पाबंद कर समय पर दुकान खोलने और पूरा राशन दिलवान और जिन लोगों को राशन	**तात्कालिक**

			होने की समस्या आती रहती है । अनाज में केवल गेहूँ दिया जाता है, शक्कर और केरोसिन त्यौहार पर मिलता है ।	नहीं मिल रहा है उनके नाम योजना में जुड़वाने के लिए गाँव सभा में प्रस्ताव लेना ।	
7	**आंगनवाड़ी केंद्र**	**सार्वजनिक**	गाँव में 1 आंगनवाड़ी केंद्र है लेकिन इसकी छत से बारिश के मौसम में पानी टपकता है और फर्श भी टूट गयी है ।	छत और फर्श की मरम्मत करवानी है ।	**तात्कालिक**

संसाधन आंकलन व SWOT विश्लेषण

S- Strengths शक्तियां	**W- Weakness कमजोरी**	**O- Opportunities अवसर**	**T- Threats चुनौतियां**
आवागमन - कच्चे रास्ते सी.सी. सड़क पक्की सड़कें	पक्की सड़क केवल एक है जो गाँव में जाने के लिए मुख्य सड़क है । अंदरूनी भागों में जाने के लिए कच्चे रास्तों को सी.सी. नहीं करना। टूटी हुई पक्की सड़क और सी.सी. सड़क को सही नहीं करवाना । रोड लाइट की मांग नही करना ।	रास्ते ठीक होने से गाँव में साधन आ जा सकते हैं जिससे छोटे मोटे व्यवसाय किए जा सकते हैं। लोगों को आने जाने में समय की बचत होगी। रोड लाइट लगने से दुर्घटनाओ की संभावना कम हो जायेगी ।	गाँव के लोगों में जागरूकता की कमी। समस्या को लेकर अधिक से अधिक लोगो का गाँव सभा में नहीं आना ।
जल नाला तलावडी एनिकट कुआं हैंड पंप बोरवेल	गाँव में 2 नाला है जिसपर 1 एनिकट भी बने है लेकिन गर्मी में पानी सूख जाने से संकट हो जाता है । कुओं को रिचार्ज करने की व्यवस्था नहीं करना। बोरवेलों की संख्या अधिक होना ।	गाँव सभा में प्रस्ताव लेकर कच्चे और पक्के चेकडेम निर्माण काम को पूरा किया जाये, पानी को रोकने के लिए हर घर के बाहर पक्के टांके का निर्माण करवाना । बरसात के पानी को योजनाबद्ध तरीके से	पंचायत द्वारा इस चुनौती से निपटने को कोई कार्य योजना नहीं होना। गाँव के लोगों की उदासीनता।

	गाँव में जल की कमी ना हो इसके लिए गाँवके लोगों की जागरूकता में कमी। जल संरक्षण के बारे में गाँव वालों में जागरूकता न होना । सरकारी योजना और मौसम पर अधिक निर्भर रहना ।	अगर रोका जाए तो गाँव में पानी के संकट को दूर किया जा सकता है जिससे सिचाई और अशुद्ध पीने के पानी के संकट को दूर किया जा सकता है और भू जल स्तर को भी ऊँचा किया जाता हैं। बोरवेल का उपयोग कम करके कुओ से पानी निकालना । ताकि जल स्तर एकदम से नीचे न जाये । गाँव सभा में इसके लिए प्रस्ताव लेना ।	
आजीविका के साधन	गाँव में रोजगार के साधन का अभाव। मनरेगा में मजदूरी कम मिलना । अच्छी नस्ल के दुधारू पशुओं का अभाव।	गाँव में खाली पड़ी जमीन और पहाड़ियों पर वृक्षारोपण, चारागाह का अच्छा प्रबंधन, अच्छी नस्ल के पशुओं का पालन, सब्जी के खेती से आय के स्रोत बढ़ाये जा सकते हैं। घरेलु उद्योग भी किये जा सकते है।	गाँव के लोगों के पास पर्याप्त खेती की जमीन का अभाव। उन्नतशील बीज का अभाव। जमीन और पहाड़ों के बेहतर प्रबंधन की कमी।
भूमि	गाँव की खाली पड़ी जमीन का प्रयोग नहीं होना। सभी लोगों के पास पर्याप्त खेती की जमीन नहीं होना। जमीन के पट्टे ना होना ।	खेती की जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाना। गाँव की सार्वजनिक खाली पड़ी जमीन पर फलदार वृक्षारोपण करवाना।	सभी लोगों के पास पर्याप्त जमीन का अभाव। सिंचाई का अभाव खाली पड़ी जमीन के बेहतर उपयोग की योजना का अभाव।

- **नजरिया नक्शा**

- **गाँवसभा द्वारा तैयार गाँव विकास योजना में प्रस्तावित कार्यो का विवरण -**

प्रस्तावित कार्य	**संख्या**	**लाभार्थी परिवारों की संख्या**
प्राथमिक स्कूल में कक्षा कक्ष का निर्माण	2	
चेकडेम निर्माण	93	
तलावडी गहरीकरण व रिन्गवाल	1	
रास्ता निर्माण सी.सी. सड़क ग्रेवल सड़क पक्की सड़क	 8 1 1	

<u>केटेगरी 4 के कार्य</u> खेत समतलीकरण व मेड़बंदी, रिंगवाल नया कुआं / कुआं गहरीकरण मरम्मत एवं पशुवाडा निर्माण खेत तलावडी	 71 41 109 4	
<u>एनिकट निर्माण</u>	6	
<u>हैंडपंप नए</u> <u>पुराने हैंडपंप मरम्मत</u>	16 12	
पी.एम., सी.एम. आवास योजना	50	
आंगनबाड़ी निर्माण	1	
सामुदायिक भवन निर्माण	2	
उप-स्वास्थ्य केंद्र निर्माण	1	

गाँव विकास नियोजन प्रक्रिया -

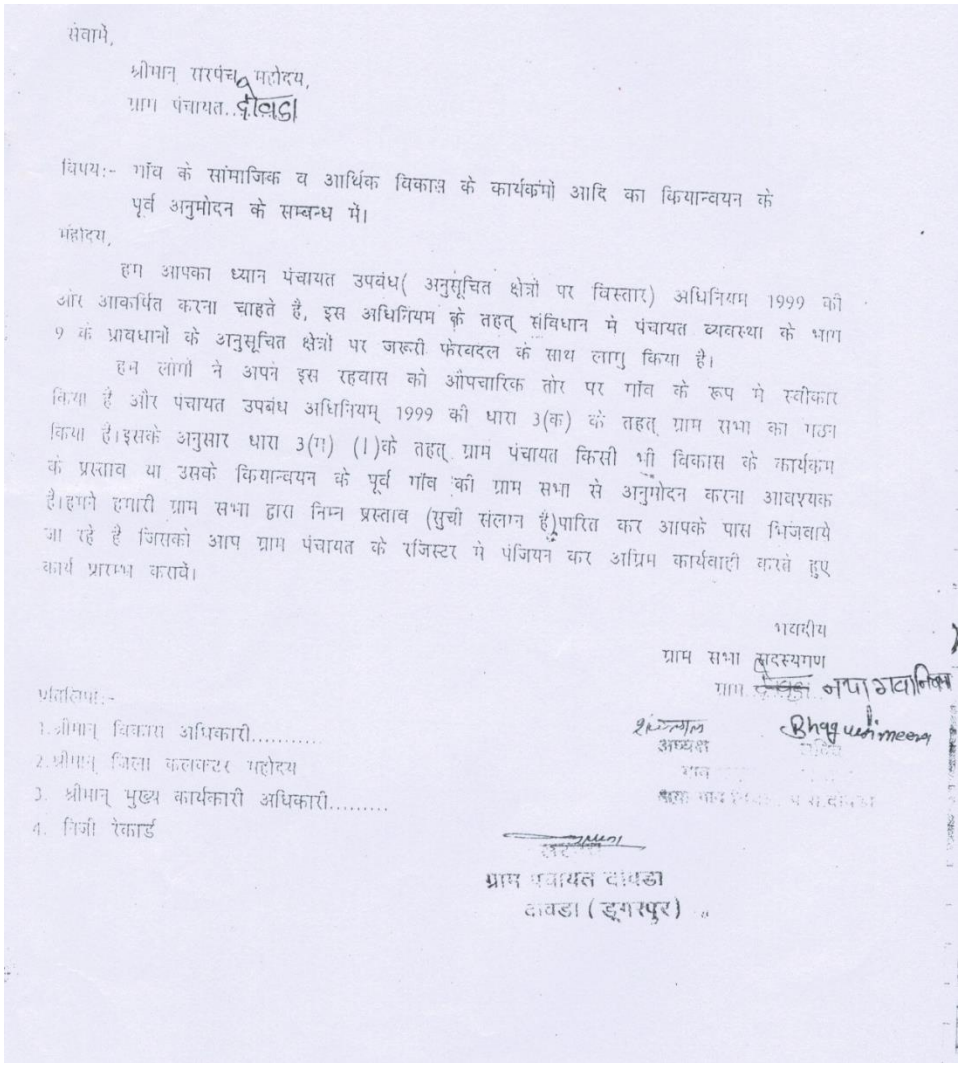

सेवामें,

श्रीमान सरपंच महोदय,
ग्राम पंचायत..दौवडा

विषय:- गाँव के सांमाजिक व आर्थिक विकास के कार्यक्रमों आदि का क्रियान्वयन के पूर्व अनुमोदन के सम्बन्ध में।

महोदय,

हम आपका ध्यान पंचायत उपबंध(अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार) अधिनियम 1999 की ओर आकर्षित करना चाहते है, इस अधिनियम के तहत् संविधान मे पंचायत व्यवस्था के भाग 9 के प्रावधानों के अनुसूचित क्षेत्रों पर जरूरी फेरबदल के साथ लागु किया है।

हम लोगो ने अपने इस रहवास को औपचारिक तोर पर गाँव के रूप मे स्वीकार किया है और पंचायत उपबंध अधिनियम् 1999 की धारा 3(क) के तहत् ग्राम सभा का गठन किया है।इसके अनुसार धारा 3(ग) (1)के तहत् ग्राम पंचायत किसी भी विकास के कार्यक्रम के प्रस्ताव या उसके क्रियान्वयन के पूर्व गाँव की ग्राम सभा से अनुमोदन करना आवश्यक है।हमने हमारी ग्राम सभा द्वारा निम्न प्रस्ताव (सुची संलग्न है)पारित कर आपके पास भिजवाये जा रहे है जिसको आप ग्राम पंचायत के रजिस्टर मे पंजियन कर अग्रिम कार्यवाही करते हुए कार्य प्रारम्भ करावें।

भवदीय
ग्राम सभा सदस्यगण
ग्राम ~~दौवडा~~ नपा गवानिया

अध्यक्ष
Bhagwati meena

प्रतिलिपि:-
1.श्रीमान् विकास अधिकारी..........
2.श्रीमान् जिला कलक्टर महोदय
3. श्रीमान् मुख्य कार्यकारी अधिकारी.........
4. निजी रेकार्ड

ग्राम पंचायत दावडा
दावडा (डूंगरपुर)

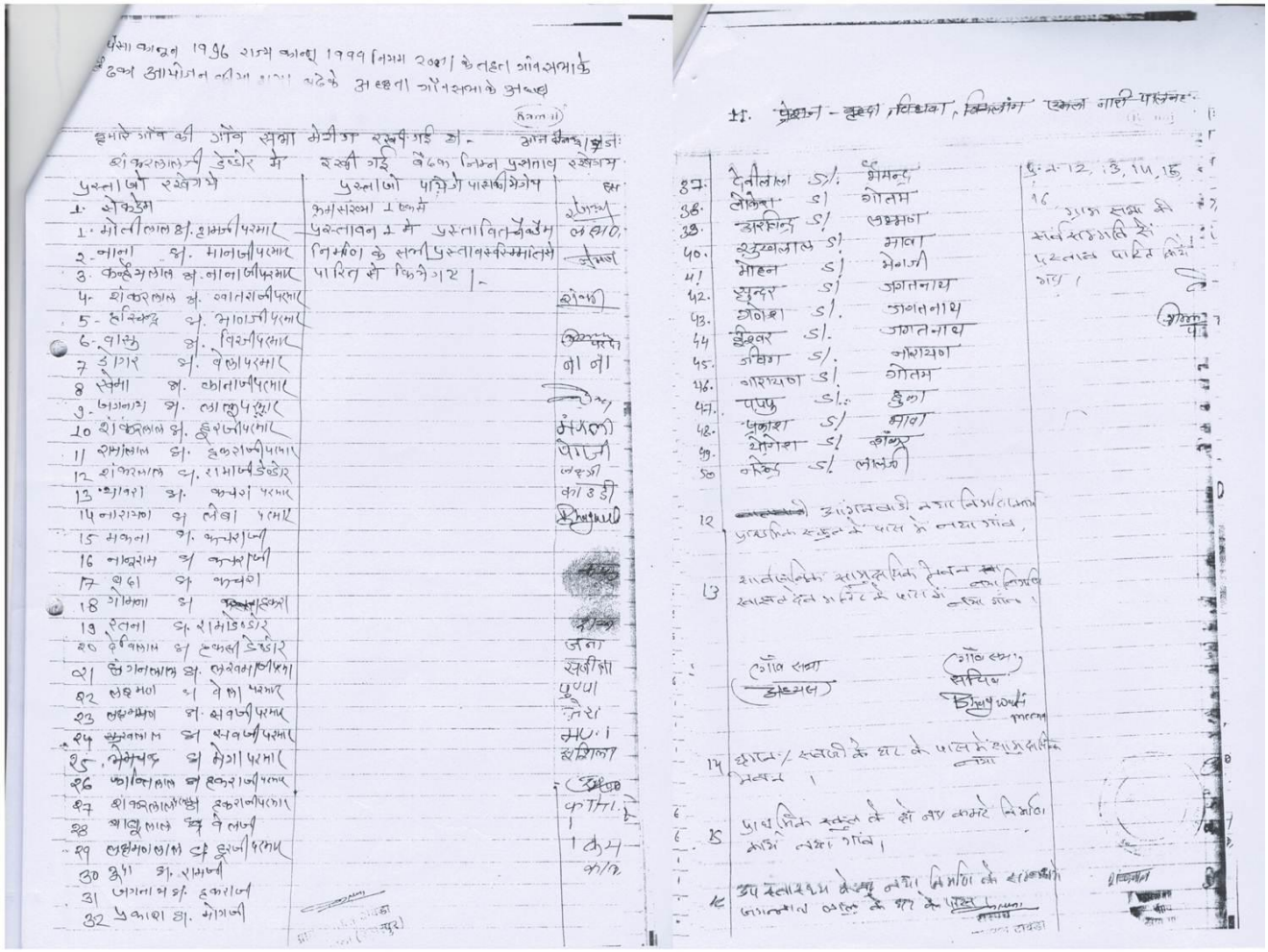

विलेज प्लैनिंग फेसिलिटेटर टीम (वीपीएफटी)

1.	शंकरलाल	9783692537
2.	संजय परमार	8890474250
3.	अनिल परमार	
4.	कन्हेयालाल परमार	9784606489
5.	भगवती मीणा	7728059717